आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 01.09.2025 समय : 0705

<><><><><><><><>

- प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में नागरिकों से वोकल फ़ॉर लोकल भावना के साथ भारतीय उत्पादों का समर्थन करने का आग्रह किया।
- मत्स्य पालन विभाग की ओर से 'सूचीबद्ध व संरक्षित मछलियों की क्षेत्रीय पहचान' पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।
- एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना का मसौदा तैयार करने के लिए कैंपबेल बे में जन सुनवाई आयोजित की जाएगी।
- द्वीपसमूह में आज एकाध स्थानों पर भारी वर्षा की चेतावनी।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश को स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के मंत्र के साथ आगे बढ़ना होगा। आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि देशवासियों को स्वदेशी को ध्यान में रखना चाहिये। आने वाले दिनों में बहुत सारे त्योहारों की रौनक होगी। इन त्योहारों में आपको स्वदेशी की बात कभी भी भूलनी नहीं है। उपहार वही जो भारत में बना हो, पहनावा वही जो भारत में बुना हो, सजावट वही जो भारत में बने सामान से हो। एक ही मंत्र 'वोकल फॉर लोकल'।

<><><><><><><><>

युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कल नई दिल्ली में स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स और रेंजर्स को राष्ट्रपति पुरस्कार प्रमाण पत्र प्रदान किए। समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि देश सेवा के आदर्श के आधार पर व्यक्ति को समाज सेवा के लिए प्रेरित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीयों के मूल्य उन्हें राष्ट्र और जन सेवा के लिए स्काउट्स और गाइड्स का हिस्सा बनने को प्रेरित करते हैं। डॉ. मांडविया ने 2016, 2018 से 2021 तक के चार सौ 70 स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स और रेंजर्स को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

इस अवसर पर भारत स्काउट्स और गाइड्स के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार जैन ने कहा कि स्काउट्स और गाइड्स केवल एक कौशल–आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं हैं, बल्कि ये एक जीवन शैली का प्रतिनिधित्व करते हैं और हमें स्मरण कराते हैं कि पूरा विश्व एक परिवार है।

<><><><><><><>

मत्स्य पालन विभाग की ओर से हाल ही में मरीन हिल स्थित मत्स्य पालन प्रशिक्षण केंद्र में 'सूचीबद्ध व संरक्षित मछलियों की क्षेत्रीय पहचान' पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, कोलकाता के वैज्ञानिक–ई डॉ. बिनीश के.के. ने द्वीपसमूह के जलक्षेत्र में उपलब्ध सूचीबद्ध और संरक्षित प्रजातियों की क्षेत्रीय पहचान पर विस्तृत जानकारी दी। सत्र में भारत में शार्क और रे मछलियों के वर्गीकरण पर तकनीकी प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, कोलकाता के वरिष्ठ प्राणी विज्ञानी डॉ. राजेंद्र कुमार ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अंतर्गत समुद्री मोलस्क पर एक ऑनलाइन सत्र भी आयोजित किया। डॉ. बिनीश के. के. ने प्रतिभागियों से किसी भी सूचीबद्ध मछली की संरक्षण के लिए क्षेत्र में सक्रिय रूप से सर्वेक्षण करने, समुद्री जैव विविधता की रक्षा करने और द्वीपों में स्थायी मछली पकड़ने की गतिविधि को बढ़ावा देने का अनुरोध किया। कार्यक्रम में पर्यावरण एवं वन विभाग के समुद्री मत्स्य पालन क्षेत्र में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के कार्यान्वयन के लिए विभाग के नोडल अधिकारी भी शामिल हुए।

<><><><><><><>

पर्यावरण एवं वन विभाग के अपर मुख्य वन संरक्षक की ओर से पिलोमिलो द्वीप के लिए एकीकृत द्वीप प्रबंधन योजना का मसौदा और लिटिल निकोबार द्वीप के लिए द्वीप तटीय विनियमन क्षेत्र योजना का मसौदा तैयार करने के लिए जन सुनवाई आयोजित करने के लिए आवेदन मांगे गए है। पिलोमिलो द्वीप के मानचित्रों की सॉफ्ट कॉपी भी प्रशासन की वेबसाइट के अलावा पर्यावरण एवं वन विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। मसौदे की प्रतियां मुख्य सचिव कार्यालय, वन सदन के सदस्य सचिव कार्यालय, निकोबार जिला उपायुक्त, ननकौड़ी के सहायक आयुक्त, निकोबार प्रभाग के प्रभागीय वन अधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण समिति सदस्य सचिव, आदिवासी कल्याण निदेशक, पर्यटन निदेशक और कच्छाल तथा तेरेसा के आदिवासी परिषद कार्यालय में भी उपलब्ध है। जन सुनवाई 12 सितंबर को दिन में 11 बजे कैंपबेल बे के राजीव नगर सामुदायिक भवन में आयोजित की जाएगी।

<><><><><><><>

द्वीपसमूह में आज एकाध स्थानों पर तेज़ हवा के साथ वर्षा होने की संभावना है। अगले दो दिनों के मौसम संबंधी पूर्वानुमान में बताया गया है कि द्वीपसमूह के कुछ भागों में भारी वर्षा हो सकती है। इस दौरान हवा की गति 35 से 45 किमी प्रति घंटे रहेगी, जिसके बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे तक होने की संभावना है। समुद्र काफी अशांत रहेगा। मछुआरों को 4 सितंबर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

<><><><><><><>

कृषि एवं पशुपालन विभाग ने कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी और पशु चिकित्सा अस्पताल, कैंपबेल बे के सहयोग से हाल ही में राजीव नगर में 'टेरेसा बकरी का वैज्ञानिक पालन और निकोबारी सुअर प्रबंधन' पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य पशुधन उत्पादकता को बढ़ाना और निकोबार द्वीपसमूह में आदिवासी किसानों के लिए आजीविका के अवसरों में सुधार करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन जनजातीय परिषद अध्यक्ष बरनबास मंजू ने किया। कार्यक्रम में लिटिल निकोबार द्वीप के कप्तानों ने भाग लिया। डॉ. पराग देवरी और डॉ. मनोज एस. गौड़ा ने पशुपालन के तकनीक पर जानकारी दी, जबकि पशु चिकित्सा कंपाउंडरों ने पशुपालन के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की। सत्र में टेरेसा बकरी पालन का दायरा, आवास प्रणाली, प्रजनन प्रबंधन, रोग नियंत्रण और बकरी एवं सूअर पालन की आर्थिक संभावनाओं पर प्रशिक्षण दिया गया। यह पहल द्वीपसमूह में वैज्ञानिक पशुपालन को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए पशुपालन और पशुपालन विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विभाग पशुधन प्रबंधन को मज़बूत करने के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को जारी रखने की योजना बना रहा है ।

<><><><><><><>

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग की ओर से राष्ट्रीय खेल दिवस के सिलसिले में विभिन्न खेल गतिविधियों के आयोजन किए गए। इस अवसर पर खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग के सहायक निदेशक, खेल बिश्वनाथ सेन और दक्षिण अंडमान के जिला खेल अधिकारी बिजन चंद्र गेन उपस्थित थे। सहायक निदेशक ने इन आयोजनों के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए खिलाड़ियों को नियमित खेल गतिविधियों को अपनाकर फिट रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

<><><><><><><>

समाचार पत्रों की सुर्खियां

द्वीपों के सांसद बिष्णु पद रे ने द्वीपसमूह के दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों में शैक्षिक विकास के लिए केन्द्र सरकार से सी एस आर सहायता की मांग के समाचार को द डेली टेलीग्राम्स और द्वीप समाचार ने प्रमुखता से छापा है। इसके अलावा डिगलीपुर में अंडमान निकोबार कमान द्वारा एक्स सर्विसमैन आउटरीच कार्यक्रम और स्वास्थ्य शिविर लगाए जाने के समाचार को द डेली टेलीग्राम्स में जगह मिली है। द अंडमान एक्सप्रेस अंग्रेजी ने द्वीपों के विभिन्न भागों में गणेश पूजा मनाए जाने के समाचार को प्रमुखता से छापा है। कृष्णापुरी गांव में जंगली हाथियों के घुसने के समाचार को द इको ऑफ इंडिया में, जबकि विश्व लोकगीत दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के समाचार को इंफो इंडिया में प्रकाशित किया है।

<><><><><><><>